मौसम
की जानकारी पाएं
नुकसान बचाएं लाभ बढ़ाएं

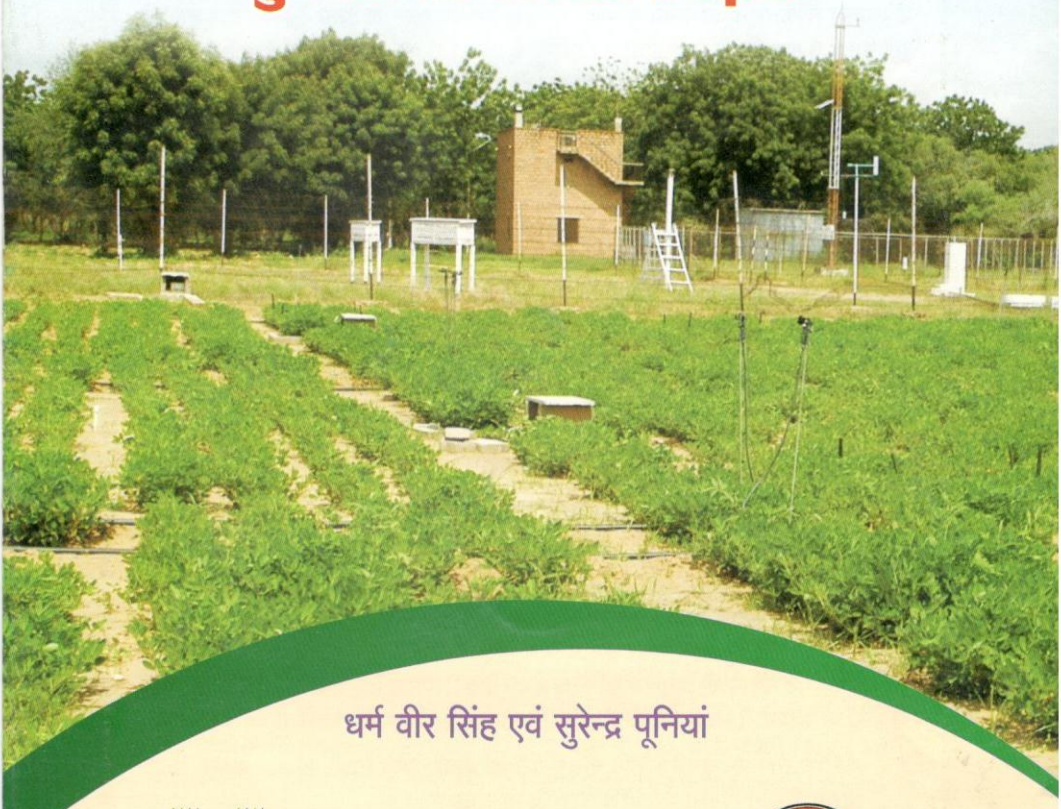

धर्म वीर सिंह एवं सुरेन्द्र पूनियां

2016
(पुर्नमुद्रित)

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
आई.एस.ओ. 9001 : 2015
जोधपुर 342 003, राजस्थान

खेती मानसून का जुआ है, और वर्षा हुई तो खेती, नहीं तो छेती अर्थात् कोई फसल नहीं, आदि कहावतें पश्चिमी राजस्थान के सन्दर्भ में आज भी पूर्णतया सही हैं। अकाल के अलावा भी प्राकृतिक आपदाओं जैसे तापमान में वृद्धि/कमी, पाला, आर्द्रता आदि के कारण नुकसान होना अस्वभाविक नहीं है। ऐसी स्थिति में किसानों की फसलों को प्रायः किसी न किसी रूप में हानि होती रहती है। इस प्रकार की हानि के जोखिम से किसानों को बचाने का एक उपाय मौसम पूर्वानुमान है। अतः वास्तव में मध्यम अवधि का मौसम पूर्वानुमान किसानों को किसी बड़ी आकस्मिक हानि की सम्भावना से सुरक्षा देने का एक उचित साधन है।

मौसम की परिस्थितियों को कुछ समय पहले बताना मौसम पूर्वानुमान कहलाता हैं। भारत में मानसून का समय मुख्यतः जून से सितम्बर तक का होता है। मानसून काल में पूरे भारत में 880 मि.मी. वर्षा होती है। इसमें राजस्थान में कुल औसत वर्षा 530 मि.मी. तथा पश्चिमी राजस्थान में कुल औसत वर्षा 306 मि.मी. ही होती है। मानसूनी वर्षा का वितरण कुछ कारणों से बराबर नहीं होता है। मानसून का आगमन एवं वापसी दोनों धीरे–धीरे होते हैं। राजस्थान के थार मरूस्थल में मानसून लगभग जुलाई के प्रारम्भ तक पहुँचता है तथा यहाँ से 15 सितम्बर के आस पास लौटना प्रारम्भ कर देता है।

मौसम पूर्वानुमान : मौसम या वर्षा का पूर्वानुमान मुख्यतः चार प्रकार का होता है –

(1) कम अवधि का पूर्वानुमान (24 से 48 घंटे के लिए)

(2) मध्यम अवधि का पूर्वानुमान (3 से 10 दिन के लिए)

(3) विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (10 से 30 दिन तक के लिए)

(4) लम्बी अवधि का पूर्वानुमान (1 महीना एवं ऋतुकाल के लिए)।

मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान (3 से 10 दिन के लिये) :

मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान की मदद से कृषि से जुड़े अनेक कार्यों को सुचारू तरीके से करने में मदद मिलती है। संकट की स्थिति से निपटने एवं जल प्रबंधन; सिंचाई एवं बाढ़ की चेतावनी दी जा सकती है। नवम्बर, 2013 में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, केन्द्र एवं राज्यस्तरीय कृषि मंत्रालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संगठनों के सहयोग से देश में ग्रामीण कृषि मौसम सेवा का शुभारंभ किसानों को सही समय पर मौसम के अनुरूप कृषि कार्य करने की सलाह हेतु तथा कृषकों के चहुंमुखी विकास के उद्देश्य से किया। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन तीन स्तरों से जारी होता है।

- राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय कृषि मौसम परामर्श केन्द्र–कृषि मौसम विज्ञान प्रभाग, भारत मौसम विज्ञान विभाग पुणे द्वारा जारी किया जाता है।
- राज्य स्तर पर क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा जारी किया जाता है।
- जिला स्तर पर कृषि मौसम परामर्श सेवा केन्द्र द्वारा जिला स्तरीय कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन किसानों के लिए जारी किया जाता है।

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) की कृषि मौसम विज्ञान इकाई द्वारा पाँच जिलों (जोधपुर, बाड़मेर, चुरू, जालोर एवं पाली) के किसानों के लिए ग्रामीण

कृषि मौसम सेवा बुलेटिन जारी किया जाता हैं। इस बुलेटिन में आगामी पाँच दिनों में वर्षा की स्थिति, तापमान, मेघावरण की स्थिति, पवन की गति, पवन की दिशा तथा आपेक्षिक आर्द्रता की जानकारी भी दी जाती हैं। इस बुलेटिन को पढ़कर क्षेत्र के किसान भाई काफी लाभ उठा सकते हैं। मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान की मदद से कृषि में होने वाले नुकसान को काफी कम किया जा सकता है जैसे वर्षा का पूर्वानुमान होने पर किसान भाई सिंचाई बन्द कर सकते हैं जिससे ट्यूबवेल का खर्च एवं पानी की बचत होगी। उर्वरक देते ही अगर भारी वर्षा होती है तो वह बहकर या बरसात के पानी के साथ नीचे भूमि में गहराई में चला जाता है। इस नुकसान को भी हम मौसम पूर्वानुमान के अनुसार कम कर सकते हैं। पाले की रोकथाम, कीटनाशकों का छिड़काव, खाद एवं पानी देने में, पशुओं को गर्मी एवं सर्दी से बचाने आदि में पूर्वानुमान से मदद मिलती है।

मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान में वर्षा का आगमन, उसकी मात्रा एवं वितरण की जानकारी भी रहती है। इससे किसान खेत तैयार करना, बीज की व्यवस्था करना, नत्रजन का किस समय छिड़काव करना, फसल में निराई, गुड़ाई कब करना, कतारों के मध्य वर्षा जल का संचय व निकास की व्यवस्था करना, फसल के पकने की स्थिति में तापमान व वर्षा के अनुरूप कटाई करके सही व सुरक्षित स्थान पर रखना जैसे फैसले समय रहते कर सकते हैं।

वर्तमान में काजरी, जोधपुर से ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन सप्ताह में दो बार क्रमशः मंगलवार तथा शुक्रवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर पाँच जिलों (जोधपुर, बाड़मेर, चुरू, जालोर एवं पाली) के लिए जारी किया जाता है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन में मुख्यतः बीते दिनों के मौसम की जानकारी, अगले पाँच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान तथा कृषकों के लिए मौसम आधारित परामर्श की जानकारी दी जाती हैं।

पाँच जिलों के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन काजरी, जोधपुर द्वारा स्थानीय समाचार पत्रों जैसे राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक नवज्योति तथा जलते दीप, जिले के संयुक्त निदेशक एवं उप–निदेशक, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार, जिले मे स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, भारत मौसम विभाग जयपुर, किसान वेब पोर्टल की वेब साइट पर, ईटीवी राजस्थान तथा स्थानीय दूरदर्शन चैनल को भेजे जाते हैं। आकाशवाणी जोधपुर केन्द्र से सायंकालीन प्रसारित होने वाले कार्यक्रम खेती बाड़ी एवं कृषि जगत में प्रसारण के लिए भी बुलेटिन भेजे जाते हैं। किसान भाई इंटरनेट सुविधा के द्वारा काजरी की वेबसाइट (http://www.cazri.res.in) के मौसम (वेदर) कॉलम में तथा कृषि मौसम विज्ञान प्रभाग, भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट (http://www.imdagrimet.gov.in) के जिला कृषि सलाहकार सेवाएं बुलेटिन के कॉलम में भी हिन्दी में प्रकाशित बुलेटिनों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। काजरी के कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा एम–किसान वेबसाईट के माध्यम से किसानों को मोबाईल पर एस.एम.एस के द्वारा मौसम पूर्वानुमान व कृषि से सम्बन्धित जानकारी दी जाती है। किसान भाई मौसम आधारित जानकारी प्राप्त करने के लिए काजरी में स्थिति ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केन्द्र के फोन (0291-2786089) पर सम्पर्क कर सकते हैं। यदि किसान भाई मोबाइल के माध्यम से एस.एम.एस. द्वारा मौसम

तथा उससे जुड़े कृषि सुझावों की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं तो वे कृषि मौसम परामर्श केन्द्र के दूरभाष संख्या 0291-2786089 पर अपने मोबाइल नम्बर का रजिस्ट्रशन भी करवा सकते हैं।

किसान पोर्टल : भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा संचालित वेबसाईट किसान वेब पोर्टल पर भी काजरी के कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण कृषि मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन पश्चिमी राजस्थान के पाँच जिलों (जोधपुर, बाड़मेर, चुरू, जालोर एवं पाली) के लिए प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को अपलोड किया जाता है जिसमें फसलों, उद्यानिकी एवं पशुओं से सम्बन्धित जानकरी अलग अलग कॉलम में दी जाती है। इसके माध्यम से भी किसान भाई फसल सम्बंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एम-किसान : किसान एस.एम.एस. पोर्टल का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्वारा 16 जुलाई, 2013 को किया गया। काजरी के कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण कृषि मौसम परामर्श सेवा एम–किसान वेबसाईट के माध्यम से किसानों को मोबाईल एस.एम.एस के द्वारा मौसम पूर्वानुमान व कृषि से सम्बन्धित जानकारी समय समय पर मोबाईल पर दी जाती है जिसकी सहायता से किसान समय रहते कृषि सम्बन्धित आवश्यक कार्य कर सकते हैं।

प्रकाशक : निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर 342 003
सम्पर्क सूत्र : दूरभाष +91–291–2786584 (कार्यालय)
+91–291–2788484 (निवास), फैक्स: +91–291–2788706
ई–मेल : director.cazri@icar.gov.in
वेबसाईट : http://www.cazri.res.in
सम्पादन समिति : सुभाष कुमार जिन्दल, निशा पटेल, धर्म वीर सिंह, नवरतन पंवार
प्रियब्रत सांतरा, प्रणव कुमार रॉय, राकेश पाठक व श्री बल्लभ शर्मा

काजरी किसान हेल्प लाईन : 0291–2786812

Evergreen 9414128647